BA III 7th Paper, Industrial Psy
Topic Group A Page 6

नीरसता का निवारण (Measures of elimination of Monotony or reducing Monotony).

नीरसता किसी उद्योग, व्यवसाय एवं संगठनों में उत्पादकता का नकारात्मक पहलू है जिससे उत्पादन में मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों तरह की कमी होती है। इसे दूर करने के कई उपाय है जो निम्नलिखित है।

(1.) कार्यकर्ताओं का समुचित चयन एवं स्थापन — Proper Selection and Placement of Workers — नीरसता का एक अति महत्वपूर्ण कारण कार्यकर्ताओं का बुद्धि स्तर है यहाँ तक की कार्यकर्ताओं का ध्यान के स्वरूप एवं संवेगिक गुण से भी नीरसता की उत्पत्ति होती है। अतः नीरसता को कम करने हेतु औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों का एक महत्वपूर्ण सुझाव कार्यकर्ताओं का चयन एवं उन्हें कार्यों पर स्थापन करने का है। वैसे कार्यकर्ताओं का चयन नहीं करना चाहिए जिनमें कार्य करने की क्षमता तो है परन्तु संवेगिक स्थिरता नहीं है। कार्यकर्ताओं का चयन उनके बुद्धिलब्धि Intelligent quotient) के आधार पर होनी चाहिए।
अतः कार्यकर्ताओं का चयन विश्वसनीय हो एवं उत्तम हो।

(2.) कार्य विस्तार (Job enlargement) — कार्य विस्तार से भी नीरसता में कमी लाई जा सकती है।

शुल्ज एवं शुल्ज (Schultz and Schultz, 1990) ने अध्ययन के आधार पर बतलाया गया कि यदि उद्योगों, व्यवसायों या अन्य संगठनों में कार्यकर्ताओं के लिए उत्तेजक (Stimulating) ~~Ente~~ मनोरंजन एवं चुनौतीपूर्ण (Entertaining and challenging) बना दिया जाए तो उनके नीरसता में कमी आ जाती है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कार्यों का विभाजन से कार्यकर्ता को कार्य सार्थक लगता है साथ-ही साथ कार्य में विविधता उत्पन्न होती है जिससे नीरसता में कमी आ जाती है।

③ कार्य की सामाजिक अवस्थाओं में परिवर्तन— (Altering Social Conditions of work) किसी उद्योग, व्यवसाय या संगठन में कार्य की सामाजिक अवस्थाओं जैसे, कार्य करने के जगह पर ~~प्रयाप्त~~ रोशनी प्रर्याप्त रोशनी, रोशनी का लुभावना रंग, नियंत्रित आवाज, कर्मचारियों का आपसी सद्भाव आदि होने से उनमें नीरसता कम जाती है कर्मचारियों को कार्य करने के बीच-बीच में विश्राम देने से भी नीरसता कम जाती है।

④ कार्यचक्र (Job rotation)— कार्यचक्र से तात्पर्य यह है कि कार्यकर्ताओं को समय-समय पर भिन्न-भिन्न क्रियाओं में लगाना। ताकि कार्यकर्ताओं की रुचि एवं कार्यों की नवीनता बनी रहे। उससे नीरसता नहीं होती है।

जब कार्यकर्ताओं को एक कार्य के बाद दूसरे कार्य में लगाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि कार्य बिल्कुल ही अलग-अलग नहीं हो नहीं तो कार्यकर्ताओं को दूसरे अलग कार्य की अनुभूति न होने पर उन्हें प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ सकती है अत: जब कार्यकर्ता को एक कार्य के बाद दूसरे कार्य में लगाया जाए, तो दूसरे कार्य का स्वरूप पहले कार्य के स्वरूप के न पूर्णत: समरूप हो और न पूर्णत: भिन्न हो।

(5) कार्य के अर्थ एवं महत्व का प्रशिक्षण (Teaching and meaning and value of Job)— किसी उद्योग, व्यवसाय या संगठनों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को उनके द्वारा किये गए कार्य एवं कार्यों का महत्व, कार्यों का मूल्यों के बारे में समझाया जाता है तो उनके विशेष अहम् (Pride) विकसित होता है तथा वे अपने योगदानों को बहुमूल्य समझकर अपने आप पर भरोसा करने लगता है इस प्रकार उनमें कार्य के प्रति रुचि बढ़ जाता है और वे अपने कार्यों से संतुष्ट हो जाते हैं ऐसी परिस्थिति में कार्यकर्ताओं को अपने कार्य के प्रति कार्य संतोष (Job Satisfaction) प्राप्त हो जाता है तो उनके नीरसता कम जाती है

(6) कार्य के दौरान संगीत (Music at work)— औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में यह पाया है कि किसी उद्योग, व्यवसाय,

या संगठन में कार्यकर्ताओं को अपने वास्तविक
कार्य के दौरान हल्का संगीत देने पर उनके
कार्य करने की क्षमता अधिक देर तक बनी
रहती है इस प्रकार नीरसता कम जाती है
एवं नीरसता की उत्पती समाप्त हो
जाती है

अतः उपरोक्त तथ्यों के आधार पर
औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों ने नीरसता को
समाप्त या कम करने का उपाय बताया है।

By
Kumar Patel
Assistant professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara
MN - 8521986965

Date - 19/5/2020